# स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)
# (एम.ए.जे.वाई.)
## सत्रांत परीक्षा
## दिसम्बर, 2022

## एम.जे.वाई.-002 : सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

***नोट :*** *यह प्रश्न-पत्र कुल* ***दो*** *खण्डों में विभाजित है । दोनों खण्ड* ***अनिवार्य*** *हैं । खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

### खण्ड – क

***निर्देश :*** *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं ।* *3×20=60*

**1.** सिद्धान्त ज्योतिष का विवेचनात्मक परिचय लिखिए ।

**2.** गोलसान से आप क्या समझते हैं ? विस्तार से लिखिए ।

**3.** भू-व्यास एवं स्पष्ट भू-परिधि का विवेचन कीजिए ।

**4.** काल की अवधारणा पर विस्तृत रूप से तथ्यपरक प्रकाश डालिए ।

**5.** क्रान्ति, अक्षांश और देशान्तर का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

**6.** अहोरात्र व्यवस्था क्या है ? विस्तार से उल्लेख कीजिए ।

## खण्ड – ख

***निर्देश :*** *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं ।* *4×10=40*

**7.** ग्रह गति का संक्षिप्त विवेचन कीजिए ।

**8.** भूगोल क्या है ? इसके स्वरूप का वर्णन कीजिए ।

**9.** आर्यभट्टीय परम्परा में भगण चिन्तन के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

**10.** सूर्य सिद्धान्तीय अहर्गण साधन का वर्णन कीजिए । साथ ही उदाहरण भी प्रस्तुत कीजिए ।

**11.** मन्दफल से क्या समझते हैं ? सूर्य सिद्धान्तीय विधि से मन्दफल साधन प्रस्तुत कीजिए ।

**12.** भुजान्तर क्या है ? इसके साधन का उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए ।

**13.** सूर्य सिद्धान्तीय ग्रह स्पष्टीकरण का उदाहरण सहित प्रतिपादन कीजिए ।

**14.** काल किसे कहते हैं ? अमूर्त काल का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए ।